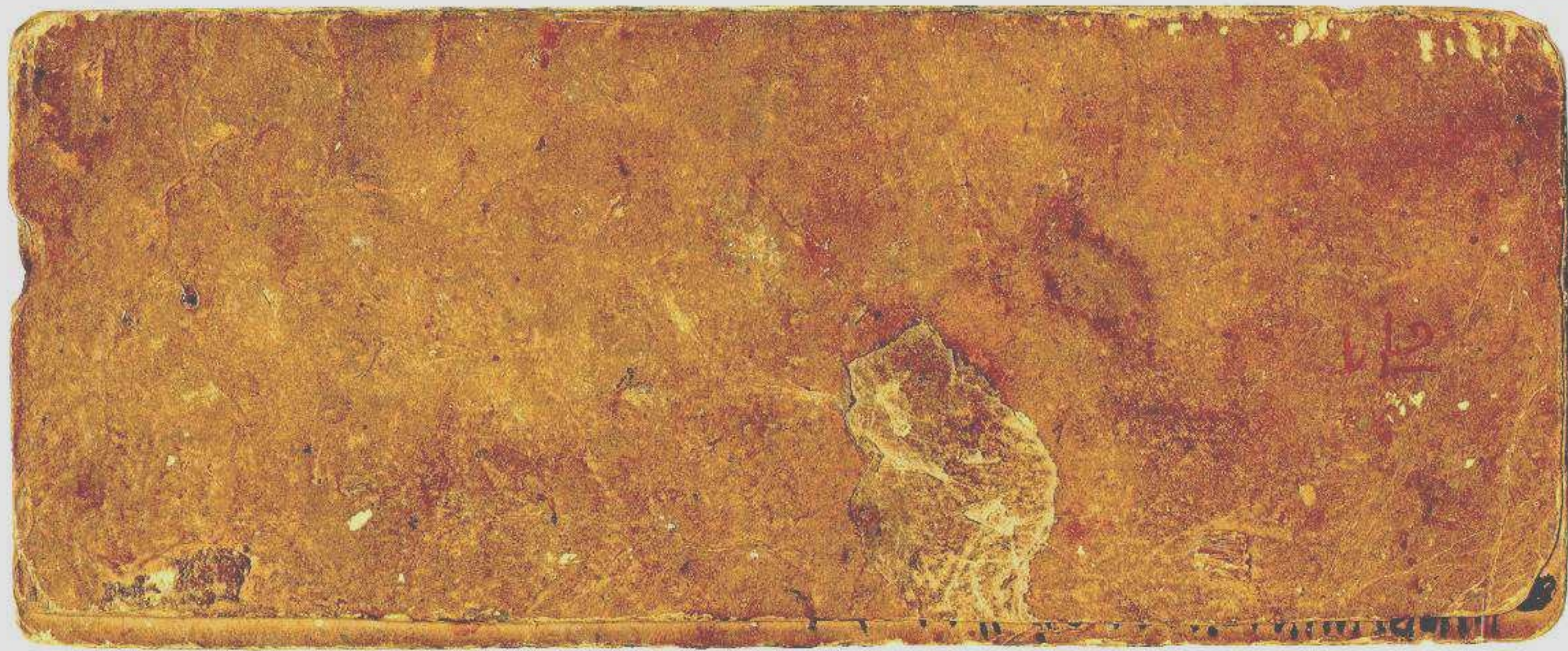




打五

[illegible]

१ नाम॥ मानश्री॥ स्व॥ मानिका मानदिवक नधन रुमग नकन निरुगुवजा डील
५॥ ५॥ नामा निमान नखन रुन विरुत निरुसाकन न॥ मूदितरुगव तात्तन

नदेव मकारं ॐ नवमं नंगसाकनन ॥ सुवहिसमम ॐ नंगनूयम ॐ नंगद्वारा
 सन ॥ नकनधुनिसुनि ॐ सुनभाहि देवगने संगीत ॐ रुनन ॥ सकनद्वनव
 कनरु कोउ कुं सुनमा नन ॥ कनरुधिन क पाग रु नन मधुनसवनिधिग
 रु नन ॥ ॐ सुं सुं सविका सद रु दि सु रु खवाधन ॥ रुगति सुनवति आदिद
 वगन ॐ यनति विनेति कयन सुनीरुन ॥ किनति किनन संवद कयल रु गा
 नगम ॐ नन ॥ नकन विरु कनूधिन वही रुगन काठिर ॐ सुनजिवन न ल त खन ॐ
 निरुि कयुसा नन सकन ॐ खन ल ॥ ॐ यन येन रुग कम ल सवा सक ल खन माहि स
 नन दवा ॥ ग्यान ॐ न सु माधिसम म कि कन रुय नूव ॥ ॐ न माहि नि नूव न कि
 कन हि विरु म ॐ रुि स सां न रु निधि ॥ ॐ ल कन रुग नूय ति रुग रुा ति विन ति

नागत्रयकेति॥ नागत्रय ॥ अत्रिमुखधरिष्य वस्त्रं देवका ॥

ठोका मसुत्रयन्त्रकडनत्रानर्षवहलिष ॥ वाती सुद्रडा कवालि
शयूषकामसुत्रिये नीलतायि अद्रकमुनयलतिता नदानकृष्ट
हलेशादि ॥ ५॥ वा॥ वा॥ ननावा नामनानकी अस्मनतही वमूवव
कहतकवालि अये प्राप्त जानकाला यद्वन्द ॥ ५॥ वा॥ ३॥ नाग
कनाडाव॥ सकताना ॥ गत्रिवाभावीरुनमकनाम ॥ तुममनाद

थरुममत्रिकु ॥ थसूवत जागनतुमात्रण ॥ ५॥ वा॥ वनु ॥ थहामयि
पहिलकलोत्रनपु ॥ थहोमयीखाव ॥ ५॥ या॥ काथुषाविलअम
नाती श्रीतत्रचलमूलवल ॥ ५॥ ॥ यमनअमृतामवागद्वा
मरनावावार्तलानदप्र ॥ ५॥ दू ॥ वामागगितगिकरतकाकायाकवृ
किद्रनदिलननकविदीठहदीअग्रमत्रयक्रकीवल ॥ ५॥ वा॥ ॥
अश्रवानगद्रदानरूकीअनयदानगृहपामकलियदीत्रमकनिषत

तकाजवनुनालसोनादिज ॥ ५॥ ता ॥ माननवगत्राटनपाक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Fragment of a palm-leaf manuscript showing two columns of handwritten text in an Indic script, likely Tamil. The text is written in a dark ink on a light brown, textured leaf surface. The script is a cursive form of the Tamil script, with characters closely spaced and some overlapping. The fragment is irregularly shaped, with a jagged right edge and a small notch at the top. The text is arranged in two vertical columns, with the right column being slightly longer than the left. The characters are well-defined but show some signs of wear and fading, particularly in the lower right corner where the leaf is more damaged.



म न न अना ना हो ॥ क ॥ प ०० व ५ का व थ म ठ य सा
अ न क ॥ सि ब ल वा धा ग क ने म या क वी व का हो ॥ १५ ॥ का
क क अ ना थ सि स् य आ दु न उ धा न इ ख हा दा म म न के द न
रि या न ॥ १६ ॥ रा ग वी ल स ॥ ता पु व ॥ क व ति मा न ची हा न न
म ॥ १७ ॥ हा व स जी दा हा री वा ना म जी हा ॥ सु ख याल स व
नी हा ॥ १८ ॥ रा ॥ प्रा क

ना ग मा रं व ॥ ता य ॥ १९ ॥ अ न रा न म यार व का दा न म य
क ॥ २० ॥ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥ २१ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥
अ स न सा ड या अ वि डा क ॥ २२ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥
अ स श्री क क जी दा अ का वि स थ न या क ॥ २३ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥
अ क व रा न क य अ क क न य रा व व नि स अ डा ॥ २४ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥
अ न रा व व नि स अ डा ॥ २५ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥ २६ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥
अ न रा व व नि स अ डा ॥ २७ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥ २८ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥
अ न रा व व नि स अ डा ॥ २९ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥ ३० ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥

न क क र म र रा क ॥ ३१ ॥ अ न रा व व नि स अ डा ॥

[illegible]

समर्क न्याय वृत्ताः कृती प्रसय सनसुत्रतनसधात्र
 ही सा ल्यनया इति तडनलीसा वृत्तधुर्वृत्तीया त्रासावा
 खधन्द्भाकुसा धसंथा सा तल्लिहवी मातिमा ॥ असतति
 वृत्तीदिन्मा जगत्तया श्रु वृत्ता तनद नभनमदुषा
 मोरु गतज नया वसा हूकु प्रनकदसा प्री वृत्तमन
 इतस्या सा ॥ जालगतिनया सा सीसा त्रमानमकासा भा
 नेभा नया तलक्केलासा लोके फ्या ननतसा अविता नमदुजा

महं वा वमीज्जत्र॥॥ वृषा कर्तुं लहि उरि ह या
महं लज्जी व उयमनिथनवार्त्त वीनति ह न मात्र
त्रयसं का नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु
महं नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु
महं नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु

वीनती ह न मात्र लो ॥॥ वृषा कर्तुं लहि उरि ह या
महं लज्जी व उयमनिथनवार्त्त वीनति ह न मात्र
त्रयसं का नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु
महं नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु
महं नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु नृक्षु

[illegible]

उदजनवर्ककाहम कयतिष्ठ रिमानिरुवाणि यतिमाह अलानिबनसवानि
 उदसरुलकलमभजानि कि ॥ ६५ ॥ विनयतिवदनविप्रिदिंसबागिव पुत्र
 यतिसार्गयागिरुवाणि सुकरदव गम मनहनमाननकि दह धावनं जमवानि
 वि ॥ ६६ ॥ मनु प्रगायविनति कलकनडा निलहृष्टिकुवनयतिनानिदानि ज
 न अथनाठकामनसमसु चनिद्रनकलमनिज सुगजानि कि नादि कयनरुवाणि ॥
 ॥ ६७ ॥ रता ० का लाज ॥ ख ॥ अ रावि छति न भ नममसु अभा नदि दा मि ह न वि ह
 म रु य र वि रु म न ह पु द भा मि ॥ ह नि र सा व व सी द स छि त मा न रू रु क द मि त

साहसं ॥ ५३ ॥ साहकुसुमप्रहंकि। अनितयावकाशं च न। यादद्यात्तसः
कश्चि

निष्कस

१॥ कादि ॥ २॥ अत्र नो ॥ ३॥ निधककृमि सानाठम थन ऊ यनि महियकून
 क मत्र ॥ ४॥ भवतु तु डानक निडा थम लारुन नान लच्छाय धन म ॥ ना
 दा तु ताल यं ऊ तु रि डा डा ऊ ऊ न सिध न आम कन अं डा ॥ नृय रि यन गा
 य मत्र न थय गहि लि महिय अधिक छा य ॥ ५॥ १॥ नाग आल डा ॥ ६॥ १॥
 नृह नृति ड स ह न ह रु कानि तु डा य य स न न क य ल म न छा नि ॥ मय गृ ति दि

नहि नहि नमोति धरि, कल कल न धरि सक न धरि ॥ कृत न कृत कृत स
स स यत्रा धरि है यात्र जन नि कृत धरि न धरि ॥ यत्र ता यम स यत्र कृत आत्रि-
आय दा कृत कल स हिल सि सात्रि ॥ ६६३ ॥ श्री ग ग ॥ ६६४ ॥ सिन रु रु
रु रु कृत तो ल ताव ॥ त व ठ ल वा त न दान्य त थ अ य आ न ता
मया भ म थ थ मन या ठा न दि दा त ॥ सु पू न रु व स स स मया
ठा या ठा व व ह लि ॥ स न ठा स अ दि क न ॥ कृत यामू न ॥ ६६५ ॥

मन्त्रोऽयं - ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
मम भियां ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
रुद्रगोपमं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
मन्त्रोऽयं ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥



[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry, consisting of five lines of dense, cursive writing.

[illegible]

Handwritten text in Tamil script, consisting of five lines of dense, cursive writing.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नखमे न श्रुतिम वसि सा या क तुलनय चाननि ॥ १ ॥
मनसमय नख स मवु या क हवा डा डा डी स या क
म ग म य क ची न न ग म गि ता य स ग म स का य ध ना
म य म थ थ इ न ना वृ न स मा म न म नि ॥ १ ॥ या डा नि ना
ही य ॥ १ ॥ ल स न हो ना व वा ह स वा य द्वा य न म
न वा या डा थ म थ सा द यि डा ॥ ल व म ना व ना डा डी स या ना क

मणि चतुस्र

यथ कुमारीद विरहा निष्ठुर उभ्रति अमुमानि ॥ ७७७ ॥
नाग म नाकि सु सु मा सन सदान ॥ द्रुत नि वि यु त व त क म
कु थ मा सन । गतु ख मा य न र्हेन । य न म क षु ह या च व न स न
नि दी रि दी नि कु म नै का क नि ते ना थ ॥ वि वि ना ना य न
रु न ॥ ७ त म क सु न ह या च व न स न ॥ द क्षि न का रि का ण
ता ह उ म मा म । रे ग व यु त म न स य न म क षु ह या
व न न स द न ॥ नि ष्ठ श्रु व रि वि क न र मि ष या । कु मी म थ

क क ष र्हेन ॥ ७ त म क षु ह या च व न स द न ॥ क र
र व क ता ल या क वा स रै वा व र्हेन स ड म थ नै य म म
क षु ह या ॥ वा नि य त र क र व म न त म य या म थ नै ॥
श्री रु य य का म या व त र्हे ॥ य न म क षु ह या च व न स
न ॥ ॥ सा ग श म न ति ॥ रु य त र्हे द न का ना क ना थ
शि ता ना म क र ह र व दा ता । रु य त र्हे द न । ना व ति

मणि चतुस्र

ॐ नमः ॥ विष्णवे नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ जिह्वारूपाय
ॐ नमः ॥ नमः ॥ या कामना पुत्रमयाहा न निविद्धं ॥ न
कयाज उरुनति ॥ आ हा वरुणा थ न नि ॥ वनजन
जि य का आ नि ॥ थ न क प्र स न ॥ ॥ ॥ क न म सी खा
या ॥ म दू ॥ थ थ ॥ इ उ ल म थ व वा न ख म य सा मि
न वा न का आ था हा नि ॥ ख हा आ म व व नू ख ल म ग

आ स या स ख न ग न स या इ य ख स या के नी क्षा य
नि ॥ २ ॥ ग न आ न ग न या नू वि त थ ॥ ल म दू उ न म न
स उ ना य इ सी यी वा य ए मा ना य ॥ य च्छि लिन द्वा
वि द्वा न नाल की च उ ती या हा आ नि वा हा थ नि व न
॥ ३ ॥ इ ना या जि ह्वि नि थ ~~पी न नी ल~~

म दू उ न म न सी उ ना व इ स यि ॥ थ आ रु य थ म
यि स वा हा न ल ला ना वा ल स द या म स सी ल ॥ ४ ॥

